सत्र 2022–23

One Year

Certificate in Performing Art-Tabla (C.P.A.)

Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory-I	100	33
02.	Practical – I Viva & Demonstration	100	33
	Grand Total	200	66

सत्र 2022–23
सर्टिफिकेट कोर्स इन परफॉर्मिंग आर्ट्
तबला
(शास्त्र)

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई–1

1. नाद, संगीत, स्वर, अंलकार, सरगम, थाट, राग, ख्याल, तराना, की परिभाषाएँ।
2. तबला वाद्य की उत्पत्ति एवं विकासक्रम का अध्ययन।

इकाई–2

1. तबला वाद्य की सचित्र जानकारी।
2. लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, ताली, विभाग, ठेका, मुखड़ा, टुकड़ा, तिहाई, गत, परन, पेशकार, कायदा, रेला की परिभाषाएँ।

इकाई–3

1. भातखण्ड़े ताल लिपि की जानकारी। पं. विष्णु नारायण भातखण्डे एवं पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर का जीवन परिचय।
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, चौगुन में लिखने की क्षमता।

इकाई–4

1. संयुक्त एवं असंयुक्त वर्णों का अध्ययन। पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना।
2. पाठ्यक्रम में सीखी गई बंदिशों – पेशकार, कायदा, रेला, मुखड़ा, टुकड़ा, तिहाई आदि को ताल लिपि में लिखना।

इकाई–5

1. ताल के दस प्राणों की जानकारी।
2. तबले के वर्णों का निकास – धा, धिं, ना, ता, कत, घे, गे, के, तिं, तू, ति, ट, टे, र आदि।

सत्र 2022–23

सर्टिफिकेट कोर्स इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

(प्रायोगिक)

समयः– 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पाठ्यक्रम के तालों की पढन्त। (त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा)
2. पाठ्यक्रम के तालों यथा–त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन, में तबले पर बजाना।
3. निम्नांकित रचनाओं का वादन व पढ़न्त।
   1. धाधातिट धाधातूना– कायदा– चार पल्टों व तिहाई सहित।
   2. धाधा तिरकिट धाधातूना – कायदा चार पल्टों व तिहाई सहित।
   3. वृंद वादन का विस्तृत अध्ययन (भारतीय वाद्य वृन्द एवं ताल वाद्य कचहरी के विशेष संदर्भ में)
   4. धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट धाधा तिरकिट धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट– रेला चार पल्टो व तिहाई सहित।
   5. त्रिताल में दो मुखड़े व दो तिहाई तबले पर बजाना व पढ़न्त करना।
   6. झपताल व रूपक ताल में दो–दो मुखड़े व दो–दो तिहाई। बजाना व पढ़न्त।
   7. ताल के दश प्राणों के नामों की जानकारी।
   8. प्रख्यात तबला वादकों की जानकारी

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
4. ताल कोष – श्री गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव